# अमिता दुबे का कथा साहित्य : एक विवेचन

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय
लखनऊ से हिन्दी विषय में मास्टर
ऑफ फिलॉसफी की उपाधि
हेतु प्रस्तुत

## लघु शोध–सारांश

BABASAHEB
BHIMRAO
AMBEDKAR
UNIVERSITY
LUCKNOW
प्रज्ञा शील करूणा
ESTABLISHED 1996


शोध–निर्देशक
डॉ० बलजीत कुमार श्रीवास्तव
सहायक आचार्य
हिन्दी विभाग

शोधार्थी
गौरव कुमार
पंजीयन क्रमांक : 1196/18
हिन्दी विभाग

हिन्दी विभाग
भाषा एवं साहित्य विद्यापीठ
बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
विद्या विहार, रायबरेली रोड, लखनऊ–226025


2020–2021

# लघु शोध–सारांश

**प्रथम अध्याय–अमिता दुबे का व्यक्तित्व एवं कृतित्व** में मैंने डॉ० अमिता दुबे जी के जन्म से लेकर अब तक के जीवन का उल्लेख किया है।

डॉ० अमिता दुबे का जन्म 15 मार्च 1967 ई० को लखनऊ के एक प्रतिष्ठित तथा शिक्षित परिवार में हुआ था। आपके माता व पिता का नाम श्रीमती पुष्पलता व श्री कृष्ण कुमार अनिल तथा आपके पति का नाम श्री आलोक कुमार दुबे है। आपने एम०ए० (हिन्दी, अर्थशास्त्र), एल०एल०बी०, गजानन माधव मुक्तिबोध के काव्य में आक्रोश का स्वर विषय पर पी एच०डी० की उपाधि 1999 में बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय से डॉ० रामस्वरूप खरे के निर्देशन में प्राप्त किया है।

इस अध्याय में अमिता दुबे ने कथा साहित्य के इतर अन्य विधाओं में भी रचनाओं का सृजन किया है का उल्लेख किया गया है। जैसे–

**समालोचन**ा– छायावादी काव्य पथिक : महादेवी, निराला, आक्रोश के कवि मुक्तिबोध, अनुभूति के विविध रंग, दीपक सा मन, कहानीकार मुक्तिबोध, अनूठे सर्जक मुक्तिबोध, अभिव्यक्ति के इन्द्रधनुष, सृजन के सोपान, संवेदनशील रचनाकार : डॉ० शंभु नाथ, स्वरूप कुमारी बक्शी का सृजनलोक(सहलेखन), शब्द झरने लगे, डॉ० सरोजिनी कुलश्रेष्ठ की सृजनात्मकता।

**कहानी संग्रह**– पाषाणी, नयनदीप, सिलवटें, पुनर्वास, सुखमनी , सीढ़ी, धनुक के रंग, संभावना के जुगनू।

**बाल साहित्य–** समझौते की दुनिया, राह मिल गयी (कहानी संग्रह)

**उपन्यास**– उलझन, एकांतवासी शत्रुघ्न

**काव्य संग्रह**– ये काश ही है, ऐसा मन करता है, कुछ तो बचा है।

**समीक्षा–** कविता की आहटें, कविता की पदचाप, कविता की अनुगूँज, कविता की प्रतिध्वनि, कहानी की करवटें,

**पुरस्कृत कृतियाँ–** पुनर्वास कहानी को डॉ० सरोजनी कुलश्रेष्ठ कथाकृति सम्मान 2014, दीपक सा मन कहानी को राष्ट्रधर्म गौरव सम्मान 2016, सुखमनी कहानी को गजानन माधव मुक्तिबोध सम्मान 2016, ऐसा मन करता है को नीरज सम्मान 2018 आदि पुरस्कारों द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। इसके अलावा विभिन्न साहित्यिक–सांस्कृतिक संस्थाओं द्वारा प्रदान किये गये 75 सम्मानों से सम्मानित हो चुकी हैं।

अमिता दुबे वर्तमान समय में उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान लखनऊ में सम्पादक के पद पर कार्य कर रहीं हैं।

**द्वितीय अध्याय–अमिता दुबे की कहानियों का परिचय : एक अध्ययन** में अमिता दुबे के आठ कहानी संग्रह प्रकाशित हो चुके हैं। जो इस प्रकार हैं– पाषाणी (2000), नयनदीप (2006), सिलवटें (2010), पुनर्वास (2014), सुखमनी (2017), सीढ़ी(2018), धनुक के रंग(2020), संभावना के जुगनू (2021) आदि।

अमिता दुबे के दो बाल कहानी संग्रह भी प्रकाशित हो चुके हैं जो इस प्रकार हैं– समझौते की दुनिया (2018), राह मिल गयी (2019)।

इस अध्याय में मैंने अमिता दुबे की कहानियों में चित्रित पारिवारिक जीवन की समीक्षा की है। उन्होंने अपनी कहानियों में संयुक्त परिवार की गृहणी, मध्यवर्गीय परिवार, आदर्श परिवार, शहरी परिवार, पति–पत्नी का सम्बन्ध, मातृत्व प्रेम या वात्सल्य तथा विधवा नारी के पारिवारिक जीवन

का विश्लेषण करने का सफल प्रयास किया है। अमिता दुबे ने अपनी कहानियों के माध्यम से वेश्यावृत्ति, दहेज हत्या, भ्रूण हत्या, यौन उत्पीड़न, तलाक, परित्याग आदि समस्याओं का चित्रण किया है।

**तृतीय अध्याय– अमिता दुबे के उपन्यासों का परिचय : एक अध्ययन** में अमिता दुबे के दो उपन्यास प्रकाशित हो चुके हैं जो इस प्रकार हैं– उलझन(2015), एकांतवासी शत्रुघ्न(2020)। अमिता दुबे का 'उलझन' उपन्यास बालमनोविज्ञान पर आधारित है। जिसमें प्रमुख रूप से परिवार में होने वाले सम्बन्ध विच्छेद का असर उनके बच्चों पर किस प्रकार पड़ता है। इसी को डॉ० अमिता दुबे ने अपनी लेखनी के माध्यम से उद्घाटित किया है।

अमिता दुबे का 'एकांतवासी शत्रुघ्न' उपन्यास 2020 में आयी भयावह त्रासदी कोरोना काल में लोगों द्वारा बिताया गया एकांतवास की त्रासदी का चित्रण करता है। लॉकडाउन के दौरान एकांतवास में लिखा यह उपन्यास राम कथा के कुछ पहलुओं पर आधारित है।

'एकांतवासी शत्रुघ्न' उपन्यास में राम, लक्ष्मण, सीता के वनवास के बाद अयोध्या में शत्रुघ्न किस प्रकार अपना जीवन बिता रहे थे। शत्रुघ्न के एकांतवास को आधार बनाकर अमिता दुबे ने इस उपन्यास की रचना की है।

**चतुर्थ अध्याय–अमिता दुबे का कथा साहित्य : संरचनात्मक परिप्रेक्ष्य** में मैंने अमिता दुबे के कथा साहित्य की संरचना को आधार बनाकर उनकी रचनाओं के शिल्प, कलात्मकता, भाषा, शैली को समझने का प्रयास किया है।

अमिता दुबे के कथा साहित्य में उनकी सहज सीधी भाषा और शैली पाठकों के भीतर बहुत गहराई में उतरती है। जो समाज को एक नई दिशा प्रदान करती है।

अमिता दुबे के कथा साहित्य में वर्णनात्मक शैली का प्रयोग हुआ है।

अमिता दुबे ने अपने कथा साहित्य में मानव चरित्र की क्या–क्या संभावनाएँ हो सकती हैं। इसी को दिखाने के लिए अपनी रचनाओं में यथार्थ के साथ कल्पना और मिथक का प्रयोग बखूबी किया है।

**पंचम अध्याय–अमिता दुबे के कथा साहित्य में विविध स्वरूप** में अमिता दुबे ने अपने कहानी संग्रहों में मध्यमवर्गीय जीवन की सामाजिक एवं सांस्कृतिक प्रतिछाया को दिखाया है।

अमिता दुबे के कहानी संग्रह अपनी विषयगत विविधता में समाज और संस्कृति के विविध पक्षों को उद्घाटित करते हैं।

अमिता दुबे की कहानियाँ सामाजिक, सांस्कृतिक समस्याओं को इंगित ही नहीं करती बल्कि उसके निवारण का प्रयास भी करती हैं।

समाज को एक दिशा देने में इनकी कहानियाँ निःसंदेह सफल हैं। इनकी कहानियाँ सांस्कृतिक विद्रूपता और प्रतिरोध की अनुगूंज तथा उनके कहानियों के केन्द्र में स्त्री विमर्श, वर्गीय जीवन संघर्ष को बेहद सृजनात्मक तरीके से प्रस्तुत किया गया है।

इसी तरह अमिता दुबे ने अपने उपन्यास एकांतवासी शत्रुघ्न के बहाने समस्त मानव जाति के रहन–सहन, सामाजिक एवं पारिवारिक सम्बन्धों में मधुरता, प्रेमभाव–सौहार्द की सरलता को दर्शाती हैं।

अमिता दुबे ने अपने दूसरे उपन्यास उलझन के माध्यम से समाज में सम्बन्ध विच्छेद के कारण बच्चो पर होने वाले मनोवैज्ञानिक दबाव को दर्शाया है। अमिता दुबे ने अपने दोनों उपन्यास में वर्तमान समाज की संकीर्णता, असहिष्णुता, मनोवैज्ञानिक, बालकथा, कोरोना काल की परिस्थितियाँ एक दूसरे के प्रति नफरत की भावना आदि कुप्रवृत्तियों को चित्रित्र किया है।

**उपसंहार –** इस शोध प्रबन्ध में किए गए विवेचन और विश्लेषण के आधार पर सार रूप में यह कहा जा सकता है कि डॉ० अमिता दुबे साहित्यिक परिवेश में पली बढ़ी थीं। जिसका प्रभाव अमिता जी के बाल मन पर पड़ा और उन्होंने बाल्यावस्था से ही लेखन कार्य आरम्भ कर दिया था और बड़े होने पर साहित्य के क्षेत्र में पदार्पण किया। डॉ० अमिता दुबे एक प्रतिष्ठित कहानीकार हैं। उनकी 'कितने अजनबी' तथा 'अस्तित्व' पुरस्कृत कहानियाँ हैं। अमिता जी को पं० प्रताप नारायण मिश्र 'युवा साहित्यकार' सम्मान प्राप्त हुआ है। डॉ० अमिता जी पत्रकारिता के क्षेत्र से भी जुड़ी हुई हैं। उनके लेख विभिन्न पत्र–पत्रिकाओं में समय– समय पर प्रकाशित होते रहते हैं। आपकी कहानियाँ यथार्थ जीवन की सच्ची झाँकी को प्रस्तुत करती हैं। उनकी अधिकांश कहानियाँ स्त्री जीवन पर आधारित हैं।

अतः डॉ० अमिता दुबे के कथा साहित्य की विवेचना और व्याख्या करने का मैंने संक्षिप्त प्रयत्न किया है, परन्तु डॉ० अमिता दुबे के साहित्य का विशदता से विवेचन, विश्लेषण, आकलन और मूल्यांकन होना ही चाहिए ताकि उनका साहित्य लोगों को प्रेरित कर सके।

# सन्दर्भ ग्रन्थ सूची


1. डॉ० अमिता दुबे पाषाणी(कहानी संग्रह), अविरल प्रकाशन, लखनऊ, प्रथम संस्करण, 2000
2. डॉ० अमिता दुबे, समर्पण(कहानी संग्रह), अविरल प्रकाशन, लखनऊ, प्रथम संस्करण, 2006
3. डॉ० अमिता दुबे, सिलवटें(कहानी संग्रह), अविरल प्रकाशन, लखनऊ, प्रथम संस्करण, 2010
4. डॉ० अमिता दुबे, पुनर्वास(कहानी संग्रह), साहित्य भण्डार, इलाहाबाद, प्रथम संस्करण, 2014
5. डॉ० अमिता दुबे, उलझन(उपन्यास), राजेश प्रकाशन, दिल्ली, प्रथम संस्करण, 2015
6. डॉ० अमिता दुबे, सुखमनी(उपन्यास), विभा प्रकाशन, इलाहाबाद, प्रथम संस्करण, 2017
7. डॉ० अमिता दुबे, सीढ़ी(कहानी संग्रह), विभा प्रकाशन, इलाहाबाद, प्रथम संस्करण, 2018
8. डॉ० अमिता दुबे, राह मिल गयी(कहानी संग्रह), राजेश पुस्तक केन्द्र, दिल्ली, प्रथम संस्करण, 2019
9. डॉ० अमिता दुबे, धनुक के रंग(कहानी संग्रह), नमन प्रकाशन, लखनऊ, प्रथम संस्करण, 2020
10. डॉ० अमिता दुबे, एकांतवासी शत्रुघ्न(उपन्यास), बोधि प्रकाशन, जयपुर, प्रथम संस्करण, 2021
11. डॉ० अमिता दुबे, संभावना के जुगनू(कहानी संग्रह), के० एल० पचौरी प्रकाशन, गाजियाबाद, प्रथम संस्करण, 2021

**सहायक ग्रन्थ–**


1. डॉ० नगेन्द्र, हिन्दी साहित्य का इतिहास, मयूर पेपरबैक्स , नोएडा, संस्करण 2007
2. मधुरेश, हिन्दी कहानी का विकास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2008
3. गोपाल राय, हिन्दी उपन्यास का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2010
4. गोपाल राय, हिन्दी कहानी का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2011
5. हजारी प्रसाद द्विवेदी, हिन्दी साहित्य का आदिकाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण 2010
6. गणपतिचन्द्र गुप्त,हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद, संस्करण 2010
7. रामस्वरूप चतुर्वेदी, हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, संस्करण 2010
8. रामचन्द्र तिवारी, हिन्दी गद्य का साहित्य, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2011
9. रामचन्द्र शुक्ल, हिन्दी साहित्य का इतिहास, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण 2012